प०क्र०/२२५/ २३/०८ अवकाश वाद अदालत नहीं है

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज	नम्बर व तारीख अहलकार जिससे हुक्म की तामील की गई
22/7/25	पत्रावली पेश हुई/वकील उभय पक्ष एवं गवाह श्री... उपस्थित... कार्य की स्थगन किया गया ... अतः पत्रावली पूर्वादेशानुसार दि. 26/8/25 को पेश हो।	
26/8/25	पत्रावली पेश हुई/वकील उभय पक्ष एवं गवाह श्री... उपस्थित... कार्य की स्थगन किया गया ... अतः पत्रावली पूर्वादेशानुसार दि. 23/9/25 को पेश हो।	
23/9/25	पत्रावली पेश हुई। वकील उभय पक्ष उपस्थित। [illegible] आवश्यक जवाब पेश करें नहीं [illegible] बहु माता आने की हिदायत के साथ अवसर दिया गया पत्रावली वास्ते जवाब मे दिनांक 7/10/25 को पेश हो। 23/07/25	
7/10/25	पत्रावली पेश हुई। वकील उभय पक्ष उपस्थित विपक्षी की ओर से जवाब पेश हुआ नकल दिलाई गई। पत्रावली वास्ते बहस मे दिनांक 16/10/25 को पेश हो। 07/10/25	
16/10/25	पत्रावली पेश हुई। वकील उभय पक्ष उपस्थित। वकील उभय पक्षउपस्थित। वकील [illegible] पक्ष की बहस को सुना। गया। [illegible] के अनुसार [illegible] आराजी नम्बर 1309/937 रकबा 0.7530 हे० [illegible] [illegible]	

Signature Not Verified
Digitally signed by Ishwar Lal Khatik
Date: 2026.01.20 17:32:30 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with OKEN Scanner

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
	अब और कोई कब्जा नहीं करने हेतु सहमत है तथा प्रार्थीया की खातेदारी आराजी में किसी प्रकार की कोई बाधा दखलअंदाजी नहीं करने हेतु विपक्षी के अधिवक्ता सहमत है इसलिए प्रार्थीया का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 212 आर.टी.एक्ट का स्वीकार किया जाता है तथा मूल वाद के निस्तारण होने तक मौके की यथास्थिति दोनों पक्ष बनाये रखें। निर्णय खुले न्यायालय में लिखाया व सुनाया गया। उपखण्ड अधिकारी डूंगला जिला-चित्तौड़गढ़	

Signature Not Verified
Digitally signed by Ishwar Lal Khatik
Date: 2026.01.20 17:32:30 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with OKEN Scanner